नियत कार्य

परास्नातक कला (शिक्षा) द्वितीय वर्ष

(जनवरी–2023)

एवं

(जुलाई–2023)

शिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

नियतकार्य

परास्नातक (शिक्षा) द्वितीय वर्ष

जनवरी–2023

एवं

जुलाई–2023

कृपया ध्यान दें :

अ) विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे स्वयं द्वारा पसन्द किये गये विशिष्ट क्षेत्र से नियतकार्यों का चयन करें।

ब) नियतकार्यों के उत्तर (ए आर) अपने कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र के कार्यक्रम प्रभारी के पास स्वयं जमा किये जा सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भेजे जा सकते हैं।

स) आप को अपनी भलाई के लिए सभी नियतकार्यों की एक–एक प्रति आपने पास सुरक्षित रखनी चाहिए।

विशिष्ट क्षेत्र : उच्च शिक्षा

एम.ई.एस.–101 : उच्च शिक्षा : इसका सन्दर्भ एवं सम्बन्ध

नियतकार्य : 01

अ) भारतीय शिक्षा पद्वति ने औपनिवेशिक पद्धति की अनेक विशिष्टताओं को विरासत में प्राप्त किया है। ब्रिटिश शिक्षा पद्धति की उन प्रमुख विशिष्टताओं की परिचर्चा कीजिए जो कि वर्तमान शिक्षा पद्धति में पाई जाती हैं। (500 शब्द)

ब) मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम (ओ.डी.एल.) पद्धति की विशेषताओं की परिचर्चा कीजिए। उच्च शिक्षा में ओ.डी.एल. पद्धति साम्य और पहुँच को किस प्रकार बढ़ावा दे सकती है ?

(500 शब्द)

स) उच्च अधिगम संस्थानों का आकलन एवं प्रत्यायन क्यों महत्वपूर्ण है ? उच्च शिक्षा संस्थानों के आकलन के लिए उत्तरदायी अभिकरण की कार्यपद्धति का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–102 : उच्च शिक्षा में निर्देशन

नियतकार्य : 01

अ) व्याख्यान के चरणों का वर्णन कीजिए। उच्च शिक्षा का एक शिक्षक कक्षाकक्ष में अपने कौशलों को किस प्रकार सुधार सकता/सकती है ? सुझाव दीजिए। (500 शब्द)

ब) परीक्षण पदों (टेस्ट आइटम्स) के पद विश्लेषण (आइटम एनल्सिस) का क्या अर्थ है ? मानक संदर्भित परीक्षण (नार्म–रेफरेंस्ड टेस्ट) में पदों (आइटम्स) के लिए पद–विश्लेषण किस प्रकार पूरा किया जाता है ? वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

स) अपनी पसन्द के किसी स्नातकपूर्व (अन्डरग्रेजुएट) कार्यक्रम का चयन कीजिए। आप अनुदेशन के प्रणाली उपागम से सम्बन्धित अवधारणाओं का प्रयोग करते हुए उसी कार्यक्रम को सुधारने में रूचि रखते हैं। उसी कार्यक्रम के लिए अनुदेशनात्मक प्रणाली को विकसित करते समय आप किन विविध कदमों को उठायेंगे ? वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–103 : उच्च शिक्षा : मनो–सामाजिक सन्दर्भ

नियतकार्य : 01

अ) अभिप्रेरणा की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। उच्च शिक्षा शिक्षार्थियों की अभिप्रेरणा को बढ़ाने के लिए प्रयोग की जा सकने वाली रणनीतियों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) व्यावसायिक/वृत्तिक (प्रोफेशनस) सम्बन्ध विकसित करने के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

स) महाविद्यालय जाने वालों के सामान्य पारिवारिक सरोकार कौन से हैं ? उनके द्वारा सामना की जा रही मनोवैज्ञानिक समस्याओं की जाँच सूची (इकाई–13, पृ०15) पर किन्हीं पाँच महाविद्यालय जाने वालों का साक्षात्कार कीजिए और एक रिपोर्ट तैयार कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–104 : उच्च शिक्षा का नियोजन एवं प्रबन्धन

नियतकार्य : 01

अ) 'स्वायत्तता और उत्तरदायित्व एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।' एक महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय के सन्दर्भ में इस की परिचर्चा कीजिए जिससे आप परिचित हैं। (500 शब्द)

ब) एक उच्च शिक्षा संस्थान में मानव संसाधनों के प्रबन्धन करने एवं विकसित करने के रचनातंत्र की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

स) मान लीजिए आप महाविद्यालय स्तर पर अपनी पसन्द के विषय में एक पाठ्यचर्या नियोजन समूह के सदस्य हैं। उसी विषय पर पाठ्यचर्या नियोजन समूह के सदस्य हैं। उसी विषय

पर पाठ्यचर्या नियोजन करते समय आप का समूह किन चरणों का पालन करेगा ? वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

विशिष्ट क्षेत्र : दूरस्थ शिक्षा

एम.ई.एस.–111 : दूरस्थ शिक्षा का विकास और दर्शन

नियतकार्य : 01

अ) सामाजिक–शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य की दृष्टि से दूरस्थ शिक्षा पद्धति की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ब) दूरस्थ शिक्षा पद्धति के सन्दर्भ में माइकल मूर के स्वतंत्र अध्ययन की धारणा का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

स) भारत और बांग्लादेश के विशेष सन्दर्भ में एशियाई देशों में दूरस्थ शिक्षा पद्धतियों के विकास का परीक्षण कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–112 : स्व–अधिगम मुद्रित सामग्रियों की डिज़ाइन एवं विकास

नियतकार्य : 01

अ) कोल्ब के अनुभवात्मक अधिगम प्रतिमान (मॉडल) की व्याख्या कीजिए। स्व–अधिगम सामग्रियों की डिज़ाइन के लिए इसके निहितार्थों की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) विविध प्रकार के स्व–अधिगम पाठों/ लिखित सामग्रियों (टेक्स्टस्) का उपयुक्त उदाहरणों द्वारा संक्षेप में वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

स) पाठ्यक्रम विकास की प्रक्रिया में नियोजन के महत्व की व्याख्या कीजिए। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में पाठ्यक्रम के विकास के लिए आप किन आवश्यक क्रियाकलापों/ गतिविधियों को महत्वपूर्ण मानते हैं ? (500 शब्द)

एम.ई.एस.–113 : शिक्षार्थी सहायता सेवायें

नियतकार्य : 01

अ) दूरस्थ शिक्षा पद्धति में पाठ्यक्रम के पूर्व, दौरान और पश्च चरणों में शिक्षार्थियों के लिए आवश्यक सहायता सेवाओं की प्रकृति की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ब) दूरस्थ शिक्षा पद्धति में प्रदान की जाने वाली विकासात्मक और समस्या–समाधान परामर्श की प्रकृति का वर्णन कीजिए। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में परामर्श के दौरान सामना किये जाने वाले व्यक्तिगत, अध्ययन और समय से सम्बन्धित अवरोधों पर विशेष बल दीजिए।

(500 शब्द)

स) दूरस्थ शिक्षा पद्धति में प्रयोग की जाने वाल विभिन्न प्रकार की अनुशिक्षक टिप्पणियों का उपयुक्त उदाहरणों द्वारा समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–114 : दूरस्थ शिक्षा का प्रबन्धन

नियतकार्य : 01

अ) दूरस्थ शिक्षा संस्थान की स्थापना की योजना बनाते समय ध्यान में रखने योग्य आवश्यक विविध विचारों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) दूरस्थ शिक्षा संस्थान में परिवर्तन–प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (आई.जी.एन.ओ.यू.) में पालन किये जाने वाले पाठ्यक्रम के विकास और वितरण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–115 : दूरस्थ शिक्षा के लिए संचार प्रौद्योगिकी

नियतकार्य : 01

अ) दूरस्थ शिक्षा संस्थान में अनुदेशन के वितरण में संचार प्रौद्योगिकियों का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है ? सोदाहरण परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) उपग्रह–आधारित और स्थलीय संचार में अन्तर स्पष्ट कीजिए। दूरस्थ शिक्षा में उपग्रह–आधारित संचार का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है ? परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) दूरदर्शन (टेलीविज़न) कार्यक्रम के उत्पादन में शामिल प्रक्रियाओं का सोदाहरण वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

विशिष्ट क्षेत्र : शैक्षिक प्रौद्योगिकी

(संशोधित)

(नोट : सत्र जुलाई 2022 और उससे आगे पुनः पंजीकृत द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थियों के लिए)

एम.ई.एस.–131 : शैक्षिक प्रौद्योगिकी : एक विहंगावलोकन

नियतकार्य : 01

अ) शिक्षा में प्रयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी के वैधानिक परिप्रेक्ष्य की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) अधिगम प्रबन्धन प्रणाली (एल.एस.एम.) के अर्थ एवं विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। अधिगम प्रबन्धन प्रणाली के चयन के लिए मानदण्डों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

स) मान लीजिए आप एक उच्च अधिगम संस्थान में शिक्षक हैं। अपने व्यावसायिक विकास (प्रोफेशनल डेवलपमेंट) के आप सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) का प्रयोग किस प्रकार कर सकते हैं ? परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–132 : शिक्षा में संगणक (कम्प्यूटर)

नियतकार्य : 01

अ) 'समस्या निवारण' (ट्रबलशूटिंग) क्या है ? कुछ सामान्य समस्याओं की परिचर्चा कीजिए जिनका कि हम कम्प्यूटर में सामना कर सकते हैं। (500 शब्द)

ब) एक दिए गए इन्टरनेट सेवा प्रदाता (आई.एस.पी.) में स्थान पर इन्टरनेट से कनेक्ट करने के विभिन्न तरीकों/विधियों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) आप को एक माध्यमिक विद्यालय में एक शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। अपने विषय से एक शीर्षक का चयन कीजिए और सार्वभौमिक डिज़ाइन अधिगम (यू.डी.एल.) सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए आप किस प्रकार एक पाठ की योजना बनायेंगे और संव्यवहार करेंगे ? लिखिये। उपयुक्त उदाहरण दीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–133 : शैक्षिक प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी का चयन एवं एकीकरण

नियतकार्य : 01

अ) अधिगम स्थानों (लर्निंग स्पेसेज) से आप क्या समझते हैं ? आजकल के अधिगम स्थानों में प्रयोग की जा सकने वाली कुछ प्रौद्योगिकियाँ सुझाइये। (500 शब्द)

ब) मुक्त शैक्षिक संसाधनों (ओ.ई.आर.) को परिभाषित कीजिए। ओ.ई.आर. (OERs) को किस प्रकार तैयार किया जाता है ? (500 शब्द)

स) शैक्षिक संस्थानों के प्रबन्धन के लिए आप प्रौद्योगिकी का प्रयोग किस प्रकार करेंगे ? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–134 : कोर्सवेयर की रूपरेखा (डिज़ाइनिंग)

नियतकार्य : 01

अ) अधिगम डिज़ाइन (लर्निंग डिज़ाइन) की अवधारणा का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ब) कोर्सवेयर विकसित करने के लिए प्रयोग किये जाने माध्यम (मीडिया) उपागमों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

स) आर. एल. ओज़. (RLOs) के क्या लाभ हैं ? आर. एल. ओज़. का चयन करते समय आप किन मानदण्डों पर विचार करेंगे ? वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

विशिष्ट क्षेत्र : शैक्षिक प्रौद्योगिकी

(असंशोधित)

एम.ई.एस.–031 : ई. टी. : एक विहंगावलोकन

नियतकार्य : 01

अ) शैक्षिक प्रौद्योगिकी की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। विभिन्न चरणों से होते हुए शैक्षिक प्रौद्योगिकी का क्रमिक विकास किस प्रकार हुआ ? वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ब) शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में वीडियो कार्यक्रमों के महत्व की व्याख्या कीजिए। पाठ्यचर्या सम्बन्धी अनुभवों के संव्यवहार में आप वीडियो कार्यक्रम का प्रभावी रूप से उपयोग किस प्रकार कर सकते हैं ? सोदाहरण वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

स) मान लीजिए आप शैक्षिक प्रौद्योगिकी के एक शिक्षक हैं और आप अपने संस्थान में प्रयोग की जा रही शैक्षिक प्रौद्योगिकियों की प्रभाविता का मूल्यांकन करना चाहते हैं। शैक्षिक प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन करते समय आप किन कदमों का पालन करेंगे ? वर्णन कीजिए। अपने उत्तर को एक उदाहरण द्वारा पुष्ट कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–032 : संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी

नियतकार्य : 01

अ) एक श्रव्य स्टूडियो (ऑडियो स्टूडियो) में प्रयोग किये जाने वाले प्रमुख उपकरण की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ब) कक्षाकक्ष संचार की प्रकृति की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) अपनी पसन्द के एक शीर्षक का चयन कीजिए। चयनित शीर्षक का शिक्षण करने के लिए आप प्रौद्योगिकी/प्रौद्योगिकियों का प्रयोग किस प्रकार करेंगे ? शिक्षण की विस्तृत योजना दीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–033 : संगणक (कम्प्यूटर) प्रौद्योगिकी

नियतकार्य : 01

अ) 'कृत्रिम बुद्धि' को परिभाषित कीजिए। कृत्रिम बुद्धि के सिद्धान्तों का प्रयोग करने वाले एक्सपर्ट सिस्टम्स् की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) 'एनीमेशन' शब्द की व्याख्या कीजिए। शिक्षा में इसके प्रयोग का सोदाहरण वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

स) क्या आप सोचते हैं कि संगणकों (कम्प्यूटर्स) का प्रयोग शिक्षार्थियों की 'स्वायत्तता' को बढ़ायेगा ? स्वयं द्वारा प्रयोग किये गये किन्हीं दो सॉफ्टवेयरों के उदाहरण की सहायता से अपने तर्क को प्रस्तुत कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–034 : कोर्सवेयर डिज़ाइनिंग (डिज़ाइनिंग कोर्सवेयर)

नियतकार्य : 01

अ) दूरदर्शन कार्यक्रमों के प्रारूपों (फॉरमेट्स) का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ब) रचनात्मक मूल्यांकन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए जिसका कि पालन आप शैक्षिक वीडियो विकसित करते समय करेंगे। (500 शब्द)

स) वीडियो कार्यक्रमों की योजना बनाने के लिए उठाये जाने वाले कदमों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

विशिष्ट क्षेत्र : शैक्षिक प्रबन्धन

एम.ई.एस.–041 : शैक्षिक प्रबन्धन की वृद्धि और विकास

नियतकार्य : 01

अ) समग्र गुणवत्ता प्रबन्धन क्या है ? शैक्षिक प्रबन्धन में इसके महत्व की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ब) अधिगम संगठनों में अभिनव परिवर्तन लाने के लिए अभिसारी माने जाने वाले कारकों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) समावेशी शिक्षा में एन. जी. ओज़ (NGOs) की भूमिका का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–042 : शैक्षिक प्रबन्धन के आयाम

नियतकार्य : 01

अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं और संगठनों की भूमिका की संक्षेप में व्याख्या कीजिए : (500 शब्द)

अ. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्

ब. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय

स. केन्द्रीय माध्यमिक परीक्षा बोर्ड

द. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

ब) 2012 से 2018 के दौरान शैक्षिक योजनाओं को क्रियान्वित करने में केन्द्र और राज्य सरकार की भूमिका की संक्षेप में परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) प्राथमिक विद्यालय के विद्यालय प्रधानाचार्य के रूप में, अपने विद्यालय में बालिकाओं के नामांकन को सुधारने के लिए समुदाय–सदस्यों को शामिल करने के लिए एक योजना सुझाइये। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–043 : संगठनात्मक व्यवहार

नियतकार्य : 01

अ) शैक्षिक प्रबन्धन को प्रभावित करने वाले परिवर्तन चालकों (चेंज ड्राइवर्स) की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) एक शैक्षिक पद्धति में संचार के प्रकारों का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए। (500 शब्द)

स) मान लीजिए आप एक शैक्षिक संस्था के प्रमुख हैं। सांस्थानिक प्रबन्धन चक्र के विविध स्तरों पर आप किस प्रकार निर्णय लेंगे और पणधारियों के रूप में आप किन्हें शामिल करेंगे? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–044 : सांस्थानिक प्रबन्धन

नियतकार्य : 01

अ) शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के पूर्व क्रियात्मक और अन्तःक्रियात्मक चरणों के अनुसार कक्षाकक्ष प्रबन्धन के घटकों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

ब) शिक्षण–अधिगम रणनीतियों के प्रबन्धन के विशेष सन्दर्भ में विद्यार्थी सहायता प्रणाली प्रबन्धन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

स) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए निवेश, प्रक्रिया और निर्गम (आउटपुट) संकेतकों की व्याख्या कीजिए। आप के अनुसार, शिक्षा में गुणवत्ता को किस प्रकार आश्वत और उन्नत किया जा सकता है ? सोदाहरण समझाइये। (500 शब्द)

विशिष्ट क्षेत्र : प्रौढ़ शिक्षा

एम.ए.ई.–001 : प्रौढ़ शिक्षा की समझ

नियतकार्य : 01

अ) प्रौढ़ शिक्षा और आजीवन अधिगम पर अन्तर्राष्ट्रीय नीति परिप्रेक्ष्य में प्रमुख परिवर्तनों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) सहभागी मूल्यांकन क्या है ? प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में सहभागी मूल्यांकन के विभिन्न उपागमों के सापेक्ष महत्व की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

स) प्रौढ़ अधिगम के विभिन्न अधिगम सिद्धान्तों के निहितार्थों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

एम.ए.ई.–002 : भारत में प्रौढ़ शिक्षा का नीति नियोजन एवं क्रार्यान्वयन

नियतकार्य : 01

अ) प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में समुदाय–भागीदारी की आवश्यकता और महत्व की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ब) प्रौढ़ शिक्षा में सहभागी प्रशिक्षण के 'पश्च–प्रशिक्षण चरण' (पोस्ट–ट्रेनिंग फेज़) के विभिन्न पहलुओं की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) भारत में प्रौढ़ शिक्षा के संसाधन सहायता ढाँचों (रिसोर्स सपोर्ट स्ट्रक्चर) को किस प्रकार सुदृढ़ किया जा सकता है ? अपने सुझाव दीजिए। (500 शब्द)

एम.ए.ई.–003 : प्रौढ़ शिक्षा में ज्ञान प्रबन्धन, सूचना प्रसार एवं नेटवर्किंग

नियतकार्य : 01

अ) प्रौढ़ शिक्षा में ज्ञान प्रबन्धन की पूर्वापेक्षाएं और चुनौतियाँ क्या हैं ? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा उनकी परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) प्रौढ़ शिक्षा के सन्दर्भ में संगठनात्मक ढाँचे, डिज़ाइन और प्रकार्यों के महत्व की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) अभ्यास के इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क (इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क्स ऑफ प्रैक्टिस– ई.एन.ओ.पी.एस.) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। परम्परागत सामाजिक नेटवर्कों से ई.एन.ओ.पी.एस. (ENOPS) को आप किस प्रकार भिन्न करते हैं ? उपयुकक्त उदाहरण दीजिए।

(500 शब्द)

एम.ए.ई.–004 : विस्तार शिक्षा और विकास

नियतकार्य : 01

अ) विस्तार क्या है ? विस्तार के घटक कौन से हैं ? (500 शब्द)

ब) कार्यक्रम नियोजन की प्रक्रिया का उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

स) विस्तार और विकास में मानवशक्ति नियोजन और कार्मिक प्रबन्धन की भूमिका का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)